ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३८
दिनांक- शुक्रवार, १ जून, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.८ एवं २५.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७६ सुबह में एवं दोपहर में ६४ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २७.४ एवं दोपहर में ३४.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम के शुष्क रहा। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२ से ६ जून, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २ से ६ जून २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते हैं। तराई एवं मैदानी भागों के जिलों में कहीं कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है। वर्षा की संभावना पश्चिमी तथा पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा जिलों में अधिक है। वर्षा की समय हवा की रफ्तार तेज होने का अनुमान है।
- ६ जून तक अधिकतम तापमान ३६ से ३८ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २४ से २६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १६ से २० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- खेतो में नमी की कमी होने पर लत्तीदार सब्जियों में हर सप्ताह सिंचाई करना आवश्यक है। किसान भाई सब्जियों की खेतों में नमी बनाये रखें। नत्रजन (लगभग २५ ग्राम) की शेष बची मात्रा का आधा भाग उपरिवेशन के रुप में पौध से एक फीट की गोलाई में प्रयोग करें।
- भिंडी एवं बोरा जैसे फल वाली सब्जियों में भी नत्रजन का उपरिवेशन करें एवं कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान २ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर ७-१० दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कद्दु वर्गीय सब्जियों में चूर्णिलअसिता के आक्रमण होने पर केराथेन १.५ ग्राम प्रति लीटर या २५ कि०लो० सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के लिए खेत की तैयारी कर इसकी बुआई करें। खेत की जुताई में १० से १५ टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। शक्तिमान-१, शक्तिमान- २, शक्तिमान- ३, शक्तिमान ४, शक्तिमान- ५, राजेन्द्र शंकर मक्का- ३ तथा सुवान, देवकी आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं।
- किसान भाई धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। १० जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। १० से २५ जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोने के लिए अनुकूल समय है। जो किसान धान की सीधी बुआई करना चाहते है, वे लम्बी अवधि वाले धान की किस्म की बुआई अगले सप्ताह में कर सकते हैं, इसके लिए उनके पास सिंचाई की उचित व्यवस्था हो।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में २० जून से १० जुलाई तक बोने के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है

आज का अधिकतम तापमानः ३६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २३.१ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.१ डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी